केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 198 मंगलवार 11 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गोरखपुर से लापता युवक साईकिल से पहुंच गया बस्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोरखपुर से चार दिन पहले रहस्यमय ढंग से लापता लड़का बस्ती में सकुशल तलाश लिया गया है। प्रकरण में गोरखपुर के सिकरीगंज थाने में परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बस्ती जनपद की सोनहा पुलिस ने साइकिल संग लापता हुए लड़के को खोज निकाला और परिजनों को बुलाकर उसे सौंप दिया।

बस्ती पहुंचे गोरखपुर के सिकरीगंज थानांतर्गत भटियारी निवासी बृजलाल ने बताया कि उनका बेटा शिवसागर बीती चार फरवरी को घर से साइकिल लेकर कहीं चला गया था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया। उनके अनुसार बेटा मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं था। प्रकरण की गुमशुदगी दर्ज कराने के साथ ही उसकी तलाश में परिजन जुटे थे।

बस्ती की सोनहा पुलिस ने रात्रि गस्त के दौरान पड़री गांव के पास सड़क पर साइकिल संग लेकर खड़े एक शख्स को देखा। नाम व पता पूछने पर वह कुछ ठीक से नहीं बता पाया। सिर्फ भटियारी भैंसा बाजार गोरखपुर बता पा रहा था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। इस संबंध में गोरखपुर के थानों से संपर्क करने पर गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी हुई। परिजन फोटो व पहचान पत्र लेकर सोनहा थाने पहुंचे। इसके बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पीछे बैठी सवारी को भी पहनना होगा हेल्मेट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । संभाग के जनपदों के जिलाधिकारी द्वारा शहरी क्षेत्र में दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल न देने के आदेश निर्गत हैं और परिवहन विभाग द्वारा इस अभियान की सतत् मानिटरिंग की जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), रवि कान्त शुक्ल ने संभाग के सभी जनपदों में लोगों से अपील किया है कि वे बी0आई0एस0 मानक हेलमेट को अपने दोपहिया वाहन को चलाते समय प्रयोग करें एवं पीछे बैठी सवारी को भी अनिवार्य रूप से पहनायें।

उन्होने बताया कि इसके साथ ही यह व्यवस्था भी सुनिश्चित की जायेगी कि कार्यालय में आने वाले लोग यदि दोपहिया वाहन से आते हैं, तो बिना हेलमेट के न आयें और बिना हेलमेट के आने पर उन्हें कार्यालय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इसी प्रकार का आदेश गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय में आने वाले समस्त अध्यापकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों पर लागू किया है।

उन्होने बताया कि यातायात निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों से भी स्पष्ट है कि प्रदेश में सर्वाधिक मौतें दोपहिया वाहन चालकों की हेलमेट न लगाने के कारण हो जाती है। दोपहिया वाहन पर वाहन चालक व पीछे बैठी सवारी द्वारा हेलमेट का प्रयोग किया जाता है और यदि 04 वर्ष की उम्र तक के बच्चे को दोपहिया वाहन पर बैठाया जाता है तो उसके लिए भी हेलमेट लगाये जाने का प्राविधान है।

उन्होने बताया कि परिवहन आयुक्त उ0प्र0 द्वारा उ0प्र0 में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के दृष्टिगत दोपहिया वाहनों पर चालक एवं पीछे बैठी सवारी के बिना हेलमेट होने पर चालान करने के निर्देश हैं। उन्होने यह भी बताया है कि यदि किसी भी पेट्रोल पम्प पर 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' नियम का उल्लंघन किया जा रहा है, तो इसकी सूचना संभाग में अपने जिले के सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में या उनको दी जा सकती है ताकि सम्बन्धित पेट्रोल पम्प के विरूद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में सोमवार सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंच गई हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां संगम में डुबकी लगाई। राष्ट्रपति सुबह विशेष विमान से प्रयागराज हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां राज्य की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहां से वह अरैल पहुंचीं और नाव से संगम पहुंचकर स्नान किया। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, महाकुंभ में राष्ट्रपति संगम में पूजा अर्चना करने के साथ ही अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना किया। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान किया था।

राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहां से वह अरैल पहुंचीं और नाव से संगम पहुंचकर स्नान किया। अधिकारियों के अनुसार, नाव से संगम घाट जाते समय आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू को गंगा और यमुना नदी तथा उसके प्रवाह के बारे में जानकारी दी।

तेलंगाना के सड़क व भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में डुबकी लगाई। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्य सरकार व राज्य के लोगों की कल्याण के लिए प्रार्थना की। प्रयागराज में संगम की अपनी यात्रा का एक वीडियो पोस्ट कर 'एक्स' पर लिखा, "तेलंगाना के लोगों की खुशी, समृद्धि और कल्याण तथा गरीबों की सेवा करने के लिए हमारी सरकार की शक्ति के लिए गंगा मां से प्रार्थना की।"

वहीं महाकुंभ में स्नान करने वालों की संख्या दिन–प्रतिदिन नए रिकार्ड बना रही है। रविवार की रात तक प्रयागराज महाकुंभ में करीब 44 करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया। रविवार को ही दस लाख कप्लवासियों ने स्नान किया। इसके अलावा 1.47 लाख पर्यटकों ने स्नान किया। शनिवार तक करीब 42 करोड़ लोगों ने स्नान किया था। स्नान करने वालों की संख्या करीब 50 करोड़ पार करने की उम्मीद है।

महाकुंभ जाने वाले वाहनों की वजह से मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी यातायात जाम के बीच, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को श्रद्धालुओं से अगले कुछ दिन प्रयागराज की ओर न जाने का आग्रह किया।

मुकेश कुमार अध्यक्ष, संजय कुमार महामंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ब्लाक सभागार में सोमवार को सांगठनिक मजबूती को लेकर ब्लाक क्षेत्र में कर्यरत पंचायत सहायकों की एक बैठक एडीओ पंचायत अवधेश कुमार की मौजूदगी में आयोजित की गई। आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश कुमार को पंचायत सहायक संघ ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही संजय कुमार को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। दुर्गेश कुमार को कोषाध्यक्ष, अमरजीत एडिटर व सुभम सिंह को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन में महिला प्रतिनिधित्व को मजबूत करते हुए दीपा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष व शशिकला पाण्डेय को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन का दायित्व मिलने के बाद मनोनीत पदाधिकारियों का पंचायत सहायकों ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया।

इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि ब्लाक क्षेत्र में कार्यरत पंचायत सहायकों की समस्याओं का निराकरण उनकी प्राथमिकता होगी। कहा कि आप लोगो ने जिस अपेक्षा एवं विश्वास के साथ पद सौपा है उस पर सदैव खरा उतरने का प्रयास करेंगे और संगठन के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित रहूंगा।

इस दौरान मुख्यरूप से अनूप कुमार, रवि वर्मा, माधुरी, अमित कुमार, संजय वर्मा, साधना, खुशबू, मनीष यादव, संजू पटेल, गीता देवी, रिंकी कुमारी, पूजा, वर्षा, प्रशांत यादव, कंचन प्रजापति, कीर्ति गुप्ता, सौरभ चौधरी, सुनील कुमार, वंदना गुप्ता व आराधना के साथ ही ब्लाक क्षेत्र में कार्यरत अधिकांस पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

कायस्थ महासभा के प्रदेश महामंत्री बने डा. मनोज श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने डा. मनोज श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री और पूर्वान्चल प्रभारी समन्वयक का दायित्व सौंपा है।

डा. मनोज श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री बनाये जाने पर डा. वी.के. श्रीवास्तव, डा. मनीष श्रीवास्तव, , विभुम श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव, अभिनव श्रीवास्तव, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, अनीता श्रीवास्तव, अंशिका श्रीवास्तव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

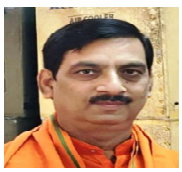

कांग्रेस नेता मन्जू पाण्डेय के परिवाद पर पूर्व सांसद भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के विरुद्ध नोटिस जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे और पूर्व सांसद रमेश विधूड़ी के विरुद्ध कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय द्वारा दाखिल परिवाद पर सोमवार को जे.यम. प्रथम न्यायालय द्वारा रमेश बिधूड़ी के विरुद्ध नोटिस जारी किए कर 25 फरवरी को न्यायालय में पेश होने आदेश दिया गया ।

ज्ञात रहे कि कांग्रेस नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मंजू पाण्डेय ने भारतीय जनता पार्टी से दक्षिणी दिल्ली के पूर्व सांसद व दिल्ली विधानसभा के कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रमेश विधूड़ी द्वारा कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं वायनाड से सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा गया कि मैं प्रियंका गांधी के गाल की तरह चिकनी सड़क बनवाऊंगा । यह टिप्पणी प्रियंका गांधी सहित राष्ट्र में राजनीति से जुड़ी महिलाओं का घोर अपमान है। मन्जू पाण्डेय ने इस पर परिवाद दायर किया जिसमें रमेश विधूड़ी को 25 फरवरी को न्यायालय में पेश होने का आदेश जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ लखनऊ की महासचिव मंजू पाण्डेय ने न्यायालय के आदेश पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि महिलाओं का अपमान जो भी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नेता, कार्यकर्ता करेगा, महिला सम्मान की रक्षा के लिये वे सड़क से न्यायालय तक संघर्ष करेंगी।

–25 फरवरी को न्यायालय में पेश होने का आदेश

पंजाब में महाभारत, केंद्रीय मंत्री के करीबी गिरफ्तार

नई दिल्ली (आभा)। पंजाब में एक मिस्ड वॉट्सऐप कॉल के चलते राजनीतिक बवाल मच गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के करीबी सहयोगी राजेश अत्री को पंजाब पुलिस ने एससी–एसटी ऐक्ट के केस में अरेस्ट कर लिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक वॉट्सऐप कॉल पर बदसलूकी की। उनके खिलाफ पटियाला के लाहौरी गेट के रहने वाले एक शख्स ने सिविल लाइंस पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने गलती से वॉट्सऐप कॉल कर दी थी। इस पर राजेश अत्री ने उनसे बदतमीजी की और अपशब्द कहे। डीएसपी सतनाम सिंह ने कहा, शशिकायतकर्ता ने अत्री के नंबर पर गलती से कॉल कर दिया था। इस दौरान बातचीत में उन्होंने अपशब्द कहे।'

डीएसपी सतनाम सिंह ने कहा कि वॉट्सऐप कॉल पर की गई बदसलूकी को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी और पुलिस ने अत्री को इसी मामले में अरेस्ट कर लिया है। अत्री भी पटियाला के ही रहने वाले हैं। इस मामले से राजनीति भी तेज हो गई है। भाजपा सांसद रवनीत बिट्टू ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर सत्ता के नशे में अति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, श्मेरे बेहद करीबी और जिनसे मेरे कई पीढ़ियों के रिश्ते रहे हैं। ऐसे राजेश अत्री को आज सुबह अरेस्ट कर लिया गया। भगवंत मान सत्ता के नशे में चूर हैं। मेरे दो निर्दोष सहयोगियं को अरेस्ट किया गया है। कई अन्य साथियों के घरों पर पंजाब पुलिस रेड मार रही है।श राजेश अत्री कांग्रेस के सीनियर नेता रहे हैं और रवनीत बिट्टू भाजपा में आए तो उनके साथ आ गए। दोनों के पुराने रिश्ते हैं।

हालांकि यह मामला हैरान करने वाला है कि कैसे एक मिस्ड वॉट्सऐप कॉल के चलते एससी–एसटी ऐक्ट में केस दर्ज हो गया और पुलिस ने तुरंत गिरफ्तारी भी कर ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सत्ता से विदाई के बाद अब पंजाब में संघर्ष तेज होता दिख रहा है। ऐसे में इस मामले ने राजनीति और तेज कर दी है। बिट्टू का कहना है कि पंजाब सरकार के आदेश पर लुधियाना पुलिस ने 10 जगहों पर रेड मारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस मेरे करीब लोगों पर रेड मार रही है और युवाओं को फर्जी केसों में फंसाया जा रहा है। इस बीच बिट्टू के एक और सहयोगी राजीव राजा को भी अरेस्ट किया गया है। उनके खिलाफ एक उद्योगपति से 30 लाख रुपये की फिरौती मांगने का आरोप है। पुलिस ने राजा के अलावा दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है।

खाद्य सुरक्षा मौलिक अधिकार है- सोनियां गांधी

नयी दिल्ली (आभा)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित किए जाने का सोमवार को दावा किया और सरकार से जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है। गांधी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीणों के साथ ही 50 प्रतिशत शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है।

उन्होंने कहा कि हालांकि लाभार्थियों के लिए कोटा अब भी 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो अब एक दशक से अधिक पुरानी है।

विश्व हिन्दू महासंघ ने सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन: समस्याओं के निस्तारण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को 4 सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याओं के प्रभावी निस्तारण की मांग किया।

सौंपे ज्ञापन में रूधौली थाना क्षेत्र के भुसड़ा हनुमानगंज गांव में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों द्वारा नीतीश जायसवाल पर जान लेवा हमला, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही, कोतवाली थाना क्षेत्र के मूडघाट स्थित मदन गोपाल सोनी के बाउन्ड्रीवाल को मुस्लिम भू माफिया द्वारा गिरा दिये जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई किये जाने, कोतवाली थाना क्षेत्र के वर्षो पुराने सती माता मंदिर के जमीन पर मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किये जाने के मामले के निस्तारण, लालगंज थाना क्षेत्र के विश्व हिन्दू महासंघ के पदाधिकारी बिजौलिया निवासिनी मंगेश लता के घर जाने के रास्ते को दबंगों द्वारा बंद कर दिये जाने, मारने पीटने के मामले में दोषियों पर कार्रवाई और रास्ता खुलवाये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के बाद अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण न हुआ तो महासंघ निर्णायक संघर्ष को बाध्य होगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान महासंघ के सौरभ तिवारी, कुलदीप मिश्रा, राजकुमार उर्फ मन्टू चौधरी, उपेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, बाबा जय प्रकाश दास, अमरजीत सिंह, बिन्दु गोपाल त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ल, अर्पण श्रीवास्तव, सतीश पाण्डेय 'पप्पू', विपिन सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह, बालकृष्ण सिंह, राजेश कसौधन, उदय चौधरी, अजय सिंह, महेश हिन्दुस्तानी, विष्णु सिंह, रामशंकर, पंकज चौधरी, रामकुमार साहू आदि शामिल रहे।

नवाचारी शिक्षणविधियों, गणित किट का दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-नवाचारी शिक्षण विधि द्वारा रुचिकर ढंग से पढ़ाए शिक्षक - संजय शुक्ल

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में नवाचारी शिक्षण विधियों और गणित किट के प्रयोग हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण (फालोअप) सोमवार को दिया गया। जिसमें प्राथमिक स्तर के आठ ब्लाकों के 200 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए। प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक नवाचारी विधियों द्वारा रुचिकर ढंग से बच्चों को पढ़ाए। कहा कि प्रशिक्षण में शिक्षक मात्र एक माध्यम है इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को गणित किट के सही प्रयोग की जानकारी देना है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारे बच्चे शिक्षकों के द्वारा गणित किट के बारे में बारीकी से सीख सकेंगे। प्रशिक्षण प्रभारी डायट प्रवक्ता अलाउद्दीन खान ने कहा कि प्रशिक्षण में सीखी गई विधाओं को शिक्षकों द्वारा अपनी कक्षाओं में लागू करना ही प्रशिक्षण की सार्थकता है। उन्होंने बताया कि प्रथम बैच में प्राथमिक स्तर के आठ ब्लाकों के 200 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए हैं मंगलवार को शेष ब्लॉकों के शिक्षकों का प्रशिक्षण होगा। प्रशिक्षण के सन्दर्भदाता हरेंद्र यादव, अनूप सिंह, बाल मुकुंद, अमरेंद्र चौधरी ने प्रतिभागियों को नवाचारी शिक्षण विधियों के साथ संख्या मापन, संख्या, संक्रियाएँ, आकृति पैटर्न एवं आंकड़ा प्रबंधन से संबंधित अवधारणा आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस अवसर डॉ गोविंद प्रसाद, डॉ रविनाथ त्रिपाठी, कुलदीप चौधरी, शशिदर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वंदना चौधरी, विवेक कान्त पाण्डेय, अजीत सिंह, मो. सलाम, रजनीश शर्मा, अरुण दूबे, शशांक दूबे, गोपाल दूबे, लाल महेश मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, पीयूष मिश्र, रत्नेश गुप्ता, शशिकांत, मधुसूदन, धनंजय, संजय कुमार, दिनेश मौर्य आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी, पेंशनर एसोसिएशन पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–अधिकारों के लिये संघर्ष पर जोर

बस्ती । सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की बैठक संरक्षक राधेश्याम त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मनोनीत पदाधिकारियों को मण्डलीय मंत्री अवधेश कुमार यादव ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।

जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय और महामंत्री उदय प्रताप पाल ने बैठक में कहा कि एसोसिएशन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगो को पूरा कराने, समस्याओं का समाधान कराने की दिशा में निरन्तर पहल की जा रही है और अनेक मोर्चों पर सफलता मिली है।

इस अवसर पर संरक्षक मण्डल के राधेश्याम त्रिपाठी, सुरेश धर दूबे, श्रीनाथ मिश्र, ई. रामचन्द्र शुक्ल, राधेश्याम तिवारी, गणेशदत्त शुक्ल, उपाध्यक्ष रामनाथ, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, मुनीश चन्द्र श्रीवास्तव, डा. बी.के. श्रीवास्तव, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, राम कुमार पाल, अरूण कुमार पाण्डेय, जयनाथ सिंह, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष छोटेलाल यादव, संगठन मंत्री सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, उप मंत्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, शीतल प्रसाद पाण्डेय, सन्त कुमार नन्दन, सह सम्प्रेक्षक अंगिरा प्रसाद चौधरी, मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, उप मीडिया प्रभारी सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय के साथ ही जिला कार्यकारिणी के 45 सदस्यों और 19 पदाधिकारियों को फूल मालाओं के साथ सम्मनित करते हुये पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी गई।

इस अवसर पर प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, राजाराम मिश्र, चन्द्र प्रकाश, सत्यनाम सिंह, त्रिभुवन प्रसाद, श्यामधर सोनी, नरेन्द्रदेव मिश्र, श्रीकान्त चतुर्वेदी, अरविन्द श्रीवास्तव, भगवानदास, हरिशर्मा द्विवेदी, दयाशंकर चतुर्वेदी, राम सुरेश पाण्डेय, नन्द कुमार मिश्र, गंगा प्रसाद पाण्डेय, राम पियारे, मेहीलाल, जंग बहादुर, राम नरेश चौधरी, अवधनरायन चौधरी, प्रदीप कुमार शुक्ल, दयाशंकर त्रिपाठी, ओम प्रकाश मिश्र, विजय कुमार, रामचन्दर, शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, परमेश्वरी दयाल सिंह, प्रेम प्रकाश मिश्र, राज देव यादव, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, जोखू यादव, परशुराम, मनोज कुमार श्रीवास्तव, धर्म प्रकाश उपाध्याय, उदयशंकर चौधरी, अमरनाथ सिंह, अनिल कुमार पाण्डेय, दीनानाथ शुक्ल, शिव गोविन्द श्रीवास्तव, बी.पी. राव आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 फरवरी 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

नये मोड़ पर राजनीति

दिल्ली के जनादेश के बाद देश की निगाहें कांग्रेस पर टिकी है कि क्या वह अब अपने पैरों पर खड़ी होगी तो इण्डिया गठबंधन का क्या होगा, यदि वह अकेले लड़ी तो भविष्य में कई क्षेत्रीय छत्रप हाशिये पर हो सकते हैं। निश्चित रूप से दिल्ली चुनाव के बाद देश की राजनीति एक नये मोड़ से गुजर रही है और यह बदलाव कई परिवर्तन ला सकता है। जिस दिल्ली में कांग्रेस ने लगातार 15 साल राज किया, उसी में लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खोल पाई। सबसे पुराने राजनीतिक दल के लिए देश की राजधानी में यह चिंता की बात होनी चाहिए, पर उसके नेताओं के बयानों में आप की सत्ता से बेदखली पर संतोष झलक रहा है।

वही आप, जो कांग्रेस के साथ डेढ़ साल पहले बने विपक्षी गठबंधन 'आईएनडीआईए' में शामिल है और दोनों दल दिल्ली समेत कुछ राज्यों में पिछले साल लोकसभा चुनाव भी मिल कर लड़े थे। भाजपा को केंद्रीय सत्ता से हटाने के लिए हाथ मिलाने वाले दल अब एक–दूसरे को ठिकाने लगाने पर ही संतुष्ट नजर आ रहे हैं तो जाहिर है कि यह देश की राजनीति में बड़े मोड़ का संकेतक है।

दिल्ली में पिछले दोनों चुनाव में मुकाबला किस तरह एकतरफा था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 70 सदस्यों की विधानसभा में एक बार आप 67 सीटें जीती तो दूसरी बार 62, जबकि भाजपा क्रमशरू तीन और आठ सीटों पर सिमट गई। फिर भी कांग्रेस ने इस बार विपक्षी गठबंधन में अपने सहयोगी दल के विरुद्ध ही जोर आजमाइश का फैसला किया तो साफ है कि अब उसका फोकस हर हाल में भाजपा को हराने के बजाय फिर से खुद अपने पैरों पर खड़े होने पर है।

आप ने कांग्रेस से पहले दिल्ली की सत्ता छीनी, फिर पंजाब की। गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस का जनाधार आप की जड़ें फैलने से ही सिकुड़ा। इसीलिए पिछले साल लोकसभा चुनाव में व्यापक विपक्षी गठबंधन के बावजूद नरेन्द्र मोदी को सत्ता की 'हैटट्रिक' से रोकने में नाकामी के बाद कांग्रेस ने तय किया कि 2029 में होने वाले अगले लोकसभा चुनाव तक उसे अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश करनी चाहिए।

अपने पैरों पर खड़े होने की पहली शर्त है कि अपने जनाधार में सेंध लगाने वाले दलों से निपटा जाए। जहां तक पहली भिड़ंत आप से होने का प्रश्न है तो यह प्रयोग भी है और संयोग भी। प्रयोग इसलिए कि आप का जन्म ही कांग्रेस के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों और आंदोलन से हुआ। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी पहली सरकार भी उसी के समर्थन से बनाई, पर दिल्ली से गुजरात तक वाया पंजाब उसे कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इसलिए भाजपा के बाद कांग्रेस को आप ही अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानती है। संयोग यह कि लोकसभा चुनाव के बाद दिल्ली ही विधानसभा चुनाव वाला वह राज्य है, जहां आप बड़ी ताकत है। दिल्ली में कांग्रेस के पास गंवाने के लिए भी कुछ नहीं था। हां, आप की सत्ता दांव पर थी, जो अंततरू चली भी गई।

दिल्ली की सत्ता से 27 साल का वनवास समाप्त करने के लिए भाजपा नेताओं–कार्यकर्ताओं की मेहनत को कम नहीं आंका जाना चाहिए, पर यह तो तथ्य है कि दो प्रतिशत मत ज्यादा पा कर ही भाजपा आप से 40 सीटें छीनने में सफल रही, जबकि कांग्रेस ने भी इस बार 2.8 प्रतिशत मत ज्यादा हासिल किए। भले ही 67 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, लेकिन केजरीवाल–मनीष सिसोदिया समेत 14 सीटों पर आप की हार में उसके उम्मीदवारों ने निर्णायक भूमिका निभाई।

विधानसभा में तीन बार शून्य हासिल करने के बावजूद कांग्रेसी नेताओं के बयानों से झलकते संतोष का कारण यही है कि दो राज्यों में सत्ता छीनने और कई राज्यों में जनाधार में सेंध लगाने वाली आप को उसके गढ़ में ही ध्वस्त करने में सफलता मिल गई। तर्क हो सकता है कि 43.57 प्रतिशत मत और 22 सीटें जीतने वाली आप को ध्वस्त नहीं मान लेना चाहिए। बेशक राजनीति अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन असम गण परिषद का उदाहरण बताता है कि आंदोलन से उपजे व्यक्तिकेंद्रित दलों का जनाधार स्थिर नहीं होता।

दिल्ली की सत्ता गंवाने के बाद आप की आंतरिक मुश्किलें बढ़ेंगी और बाहरी भी। आप के कई संस्थापक सदस्य तो पहले ही आरोप लगाते हुए केजरीवाल से किनारा कर गए थे, चुनाव से पहले भी कई ने झाड़ू का साथ छोड़ दिया। ऐसे में न सिर्फ दिल्ली, बल्कि आप शासित पंजाब में भी झाड़ू को एकजुट रखना केजरीवाल के करिश्मे की अग्निपरीक्षा होगी।

आनेवाले वक्त में चुनौतियां कांग्रेस के सामने भी कम नहीं। सपा, तृणमूल कांग्रेस, उद्धव शिवसेना और नेशनल कांफ्रेंस ने दिल्ली चुनाव में खुलकर आप का समर्थन किया। यानी कांग्रेस के खिलाफ मोर्चाबंदी की। चुनाव परिणामों के बाद भी नेशनल कांफ्रेंस के शीर्ष नेता उमर अब्दुल्ला ने तंज कसा कि और लड़ो आपस में। उद्धव शिवसेना के संजय राउत ने नसीहत दी कि सबसे बड़े घटक के नाते कांग्रेस को सोचना चाहिए कि गठबंधन को कैसे मजबूत किया जाए।

सपा और तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन उनका कांग्रेस विरोधी रुख जगजाहिर है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन से साफ इन्कार कर दिया था तो मिल्कीपुर समेत 10 विधानसभा उपचुनाव में सपा ने भी उसे कोई भाव नहीं दिया। खासकर तृणमूल कांग्रेस और सपा जैसे दल कांग्रेस से छीने गए जनाधार पर ही खड़े हैं। उन्हें डर है कि कांग्रेस मजबूत हुई तो कहीं परंपरागत जनाधार उसके पास लौट न जाए। कांग्रेस की मजबूती भी जनाधार वापस पाने पर ही निर्भर करती है। कर्नाटक और तेलंगाना में अल्पसंख्यक मतदाता कांग्रेस की ओर लौटते दिखे, पर अन्य राज्यों में अल्पसंख्यकों समेत अन्य परंपरागत वोट बैंक की वापसी तभी संभव है, जब उन्हें कांग्रेस मजबूत विकल्प बनती दिखे।

ऐसे में दिल्ली के बाद अब बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात और गोवा के आगामी विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस को 'एकला चलो' का जोखिम उठाना पड़ेगा। बंगाल और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पास गंवाने के लिए कुछ नहीं, जबकि ममता के पास सत्ता है और अखिलेश यादव के पास सत्ता का सपना। पंजाब में आप के बिखराव या चुनावी पराभव का सीधा लाभ मुख्य विपक्षी दल के नाते कांग्रेस को ही मिलेगा, लेकिन इनसे पहले बड़ी चुनावी परीक्षा इसी साल बिहार में होगी। वहां कांग्रेस लालू यादव के राजद की अगुआई वाले महागठबंधन में शामिल है। दोनों के पुराने रिश्ते हैं, पर लालू कभी नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस को बढ़ने का मौका मिले। कांग्रेस के लिये निश्चित रूप से यह कड़े निर्णय लेकर जनाधार वापस लाने का समय तो है किन्तु डगर आसान नहीं।

अप्रवासी भारतीयों के निर्वासन का यक्ष प्रश्न

–ज्योति मल्होत्रा–

भारत की विदेश नीति के खाते में फरवरी का महीना सबसे नागवार बनता जा रहा है (इन शब्दों के लिए टी.एस. इलियट से क्षमा याचना सहित)। पूर्व में देखें तो, बांग्लादेश के उद्दंड युवा, जिन्हें न तो किसी यादगार से लगाव है और न ही इतिहास याद रखने की इच्छा, ढाका में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को जलाने के दौरान वे एक बॉलीवुड फिल्म के गाने, 'मुन्नी बदनाम हुई' पर नाच रहे थे। दोनों देशों के लोगों के जीवन में एक वक्त जो गौरवशाली अध्याय था, उस पर हथौड़ों की मार का दृश्य विस्मित भारतीयों ने देखा और वे खुद से यह पूछे बिना नहीं रह सके, अब आगे क्या?

और बात पश्चिम की करें तो, ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने की तैयारी हो रही है, और कुछ दिन पहले ही 104 भारतीय नागरिकों को बेड़ियों– हथकड़ियों में जकड़ कर वापस स्वदेश भेजा गया है, और 487 अन्य लोग भी उसी राह पर हैं, कई सवाल खड़े हो रहे हैं, परेशानी बनी हुई है कि क्या इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री का अमेरिका जाने का फैसला सही है। कई लोग कहेंगे, हां बिल्कुल। हमारी विदेश नीति में भारत–अमेरिका संबंध सबसे महत्वपूर्ण बने हुए हैं, इसके बावजूद कि रूस ने कोविड के बाद के वर्षों में तेल की कीमत में कटौती करके काफी राहत पहुंचाई थी। इस तर्क का समर्थन करने वालों का मानना है, प्रधानमंत्री के दौरे के समय व्यापार संबंधी एक मार्गदर्शिका तैयार होने की संभावना है, भारत द्वारा अमेरिकी रक्षा उपकरण अधिक मात्रा में खरीदने की चर्चा जोर पकड़ रही है, साथ ही भारत द्वारा असैन्य परमाणु क्षेत्र (17 वर्षों के बाद) खोलने की संभावित घोषणा भी हो सकती है।

यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर पिछले चार महीनों, सितंबर, दिसंबर और जनवरी, में तीन बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, ताकि मोदी–ट्रंप मुलाकात के परिणाम सार्थक बन सकें। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री उन तीन नेताओं में से एक होंगे, जिनके साथ ट्रंप सत्ता में आने पहले महीने में मुलाकात करेंगे – इस्राइल के नेतन्याहू, जापान के इशिबा और भारत के मोदी। दुर्भाग्यवश, मोदी के वाशिंगटन डीसी पहुंचने से बमुश्किल एक सप्ताह पहले, खबरें बहुत उत्साहित करने वाली नहीं रही हैं।

सैकिंड हैंड जींस और सस्ते चीनी जूते पहने और पैरों में जंजीरें होने की वजह से अमेरिकी सैन्य विमान की तरफ घिसटकर बढ़ते युवा भारतीयों की तस्वीरों ने न केवल पंजाब में बल्कि पूरे देश में, हैरानी और विस्मय की तरंगें फैला दीं। बेशक, यह ठीक वही है जो ट्रंप करना चाहते हैं। वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिका में चोर दरवाजे से भारी संख्या में पहुंचने वाले अकुशल लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है दृढ़ता, एच–1बी वीजा के जरिये प्रतिभाशाली, कुशल और निपुण लोगों की जमात कबूल है।

उनके पास अपना चेहरा बचाने का समय भी नहीं बचा। अगर भारतीय प्रधानमंत्री एक हफ्ते में आपसे मिलने आ रहे हैं, तो आपको अब यह उम्मीद नहीं पालनी चाहिए कि आपकी यात्रा की पूर्व संध्या पर अच्छी खबर आएगी। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के कुछ हफ्तों में ही विश्व व्यवस्था के नियमों की इबारत को फिर से लिख दिया है। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन इसे 'अमेरिका की ओर से असम्य व्यवहार' करार देते हैं। वैसे भी सभ्य तरीके और शिष्टाचार 'नए अमेरिका' की विदेश नीति का पहले ही शिकार बन चुके हैं। जिस तरह से ट्रंप मध्य पूर्व दृ गाजा, फिलिस्तीन, जॉर्डन दृ में बदलाव करने में लगे हुए हैं, वह अभूतपूर्व है। भारत ने चुप्पी साध रखी है क्योंकि पिछले कुछ समय से जिन अति–यथार्थवादी नीतियों का प्रचार किया जा रहा है, उनका मतलब यह है कि आप तभी शामिल होंगे जब आप सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। और गाजा, फलस्तीन और जॉर्डन से आप सीधे प्रभावित नहीं हैं।

जहां तक गत सप्ताह की शुरुआत में, महिलाओं सहित 104 लोगों को बेड़ियों में जकड़कर विमान के जरिये घर वापस भेजे निर्वासितों की बात है, भारत सरकार का संदेश यह है कि जो लोग कानून तोड़ते हैं, वे उसी सजा के काबिल हैं, जो मिली। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें 'एलियन' बताया है, और वे हैं भी। और फिर, जब जयशंकर ने निर्वासित भारतीयों पर संसद में ब्यान दिया, और रिकॉर्ड पर माना कि 'रुख नौकरशाही तौर तरीकों से हिसाब से सही है',तो कोई यह सोचे बगैर नहीं रह सकता कि यदि उनकी पूर्ववर्ती दिवंगत सुषमा स्वराज होतीं तो भारत के लिए बनी वर्तमान विकट परिस्थिति का सामना कैसे करतीं दृ जब अपने गरीब और अकुशल लोगों को उनके एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण काम करने के लिए उचित रूप से दंडित होते हुए पातीं।

सुषमा आंटी ने विदेश मंत्रालय के सख्त दिल नौकरशाहों की नौकरशाही चेतना को इतना तो झिंझोड़ दिया था कि उन्हें दुनिया भर में भारतीय कामगारों के प्रति दयालुता का भाव रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रवासियों की सुरक्षा के लिए सुधारों का आदेश दिया, विदेश जाकर कमाने के इच्छुकों के लिए कानून सख्त किए गए, आव्रजन एजेंटों को सही राह पर चलने के लिए मजबूर किया गया। ऐसा नहीं कि उन्होंने पूरी व्यवस्था को साफ कर दिया था, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कोशिश की। उन्हें पता था कि हमारे लोग अक्सर विदेशी कानून को तोड़ते हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने सहृदयता दिखाई। जब वे जानबूझकर नियमों को तोड़ते हुए पकड़े गए, तब भी उनकी मुसीबतें कम करने की कोशिश की।

इसके बजाय, मौजूदा मोदी सरकार इन लोगों पर नियम पुस्तिका का वास्ता थोप रही है। इतना ही नहीं, विदेश मंत्रालय यह बता रहा है कि ये पंजाबी लोग जो अपना अमेरिकी सपने पूरा करने के ले 45 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं, वे वास्तव में गरीब नहीं हैं। बेशक, विदेश मंत्रालय सही है। इन 104 पुरुषों और महिलाओं ने जानबूझकर 'अमरीका' के लिए एकतरफा टिकट खरीदा, अच्छी तरह से जानते हुए कि 'डुनकी रूट' ही अमेरिका में घुसने का तरीका था। फिर भी वे गए। समस्या यह है कि अगर उन्हें दुबारा मौका मिले तो वे फिर जाएंगे, क्योंकि उन्हें अमेरिका भेजने के लिए परिवार ने जो कर्ज उठाया है, उसको चुकाने की जरूरत है।

आप वापस मोदी–ट्रम्प और भारत–अमेरिका संबंधों के महत्व पर आते हैं। इस तथ्य के अलावा कि मोदी ट्रंप के साथ जल्दी से जल्दी राब्ता बनाने के लिए उत्सुक हैं, तथ्य यह है कि दोनों देश एक–दूसरे में तेजी से निवेश कर रहे हैं। । खुफिया जानकारी साझा करने से लेकर पिछले 25 वर्षों में हस्ताक्षरित सैन्य आधारभूत समझौतों के माध्यम से रक्षा एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी करने तकदृजीएसओएमआईए, एलईएमओए, सीओएमसीएएसए, बीईसीए, नामक संधियांदृयूं भारत अमेरिका के साथ इतनी निकटता से जुड़ा हुआ है कि इसे 'अनौपचारिक सहयोगी' के रूप में परिभाषित करना बहुत गलत नहीं होगा। कुछ लोग कहेंगे, क्यों नहीं। भारतीय मूल के 50 लाख से अधिक अमेरिकी नागरिक हैं, जो एक बेहद प्रभावशाली समूह है। हम उन सबकी सफलता पर नाज करते हैं। हम सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, इंद्रा नूई और अजय बंगा को लेकर इतने गदगद् होते हैं, मानो वे हमारे अपने परिवार का हिस्सा हों।

समस्या तब पैदा होती है जब दोआबा के पंजाबी, कैथल के हरियाणवी और गांधीनगर के गुजरातियों की वो छवियां इस हसीन परिदृश्य को गंदला कर देती हैं– हथकड़ी और बेड़ी पहने। इससे बदतर यह कि उनके अपने परिवार के अलावा इन भारतीयों को कोई और अपनाना नहीं चाहता। ये वो लोग हैं, जो घर के३ न घाट के।

–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

धनाढ्यों का विदेश पलायन

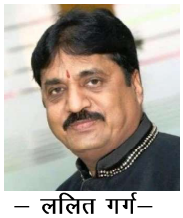

– ललित गर्ग–

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सौ से अधिक अवैध भारतीयों के पहले बैच को अपराधियों की तरह अपमानजनक तरीके से भारत भेजा गया है। सितम्बर– 2024 तक सालभर में अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में 90 हजार से अधिक लोग पकड़े गये थे। ये लोग अपनी जीवनभर की कमाई एवं पूंजी को दांव पर लगाकर अमेरिका जैसे देशों में जाने के वैध एवं अवैध तरीके अपनाते हैं, इनका इस तरह देश छोड़कर जाने का कारण समझ में आता है, लेकिन धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का बढ़ता सिलसिला समझ से परे हैं। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन–मंथन का कारण बनना चाहिए। संसद परिसर में अमेरिका से लौटे अवैध भारतीयों के स्वदेश लौटने की विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों को लेकर व्यापक प्रदर्शन हुए, लेकिन क्या इन बुद्धिमान विपक्षी दलों के सांसदों को कभी धनाढ्यों के भारत छोड़कर जाने एवं इस तरह भारत का अपमान करने की स्थितियों पर भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए?

हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हो–हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास 'सरप्लस' है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से कई इसलिए देश छोड़ रहे हैं क्योंकि विदेश में सुरक्षा है और गुमनाम रहने की सुविधा है। इनसे भी जो ज्यादा अमीर हैं, ऐसे करोड़पति, अरबपति और खासकर डॉलर अरबपति कमाई तो भारत में करते हैं और जीते अमेरिका जैसे देशों में है। 'फोर्ब्स' के आंकड़ों के अनुसार ये केवल 200 हैं। करोड़पति अगर चुपचाप देश से जा रहे हैं, तो अरबपति विदेश की धरती से तेज आवाज में सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस तरह के मंत्रों का जाप कर रहे हैं कि 'हमारी अर्थव्यवस्था जल्द ही सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है', कि यह 'दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करा रही विशाल अर्थव्यवस्था है'। प्रश्न है कि इन समृद्ध लोगों का देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में क्या योगदान है? उनका भारत से पलायन क्यों हो रहा है? सरकार इन पर क्या कदम उठा रही है? विपक्षी दल क्यों मौन धारण किये हुए है?

क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने, उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड़ ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी है और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है।

कठिन डगर पर केजरीवाल

–विजय विद्रोही–

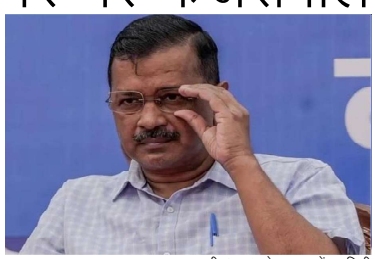

दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब अरविंद केजरीवाल क्या करेंगे। कहने को तो कहा जा सकता है कि आप के पास अभी भी 43 फीसदी वोट हैं जो विपक्ष में रहते हुए भाजपा के पास कभी नहीं रहा। 'आप' के पास 22 विधायक हैं यानी 10 सालों में पहली बार मजबूत विपक्ष है। 'आप' का एम.सी.डी. पर कब्जा बना हुआ है। 'आप' के पास पंजाब में 3 चौथाई मतों से जीती हुई सरकार है। कहने को तो यह भी कहा जा सकता है कि केजरीवाल हौसले का नाम है जो 11 साल पहले धूल से खड़ा होकर मुख्यमंत्री पद पर पहुंच सकता है तो यह कहानी फिर क्यों दोहराई नहीं जा सकती। सारे तर्क अपनी जगह सही हैं लेकिन सबसे बड़ी बात है कि चुनावों में भले ही आप पार्टी निपटी नहीं हो लेकिन सिमटी जरूर है लेकिन केजरीवाल की व्यक्तिगत छवि निपटी है। इसके लिए केजरीवाल खुद जिम्मेदार हैं और खुद की जवाबदेही भी उन्हें ही तय करनी है। साफ बात है। केजरीवाल यह कहते हुए चुनावी जंग में उतरे थे कि अगर आप को लगे कि केजरीवाल ईमानदार है तो वोट देना वोट नहीं दिया जनता ने तो क्या समझा जाए कहने की जरूरत नहीं है।

राजनीति में न तो बड़बोलापन चलता है और न ही अहंकार और न ही अर्श पर पहुंचकर फर्श पर चलने वालों की उपेक्षा करना। राजस्थान के कांग्रेस नेता अशोक गहलोत शीला दीक्षित के समय दिल्ली के प्रभारी महासचिव बनाए गए थे। तब शीला दीक्षित की कार्यशैली से दिल्ली कांग्रेस के कुछ बड़े नेता नाराज बताए गए थे। तब प्रभारी महासचिव गहलोत ने कहावत के जरिए शीला दीक्षित तक संदेश पहुंचाया था। मियांजी घोड़ी चढ़े तो चढ़े पर नीचे वालों की सलाम तो कबूल करें। गहलोत ने करीब 20 साल पहले जो कहावत कही थी वह आज केजरीवाल पर पूरी तरह से लागू होती है। तो सवाल उठता है कि केजरीवाल अब आगे क्या करेंगे। उनके पास क्या विकल्प बचते हैं। घर में सियासी चोरी हुई है। भाजपा वाले खिड़की उखाड़ के अंदर पहुंचे तो कांग्रेस ने रोशनदान का सहारा लिया तो सिसासी डाका पड़ चुका है। अब केजरीवाल (1). क्या क्या चोरी हुई का हिसाब किताब करें, (2). चोरी होने से जो बच गई उसको संभालने का यत्न करें, (3). सी.सी.टी.वी. कैमरों में चोरों की पहचान करें, (4). हाय चोरी हो गई का विलाप करें। साफ है कि केजरीवाल भी जानते हैं कि क्या–क्या चोरी हो चुका है। वह यह भी जानते हैं कि चोरी किसने की। विलाप करने का कोई तुक नहीं है क्योंकि रुदाली में जनता शामिल होने वाली नहीं है। तो एकमात्र विकल्प यही बनता है बचा खुचा घर संभाला जाए।

22 विधायकों को भाजपा के संभावित ऑपरेशन लोटस से बचाना है। एम.सी.डी. के मेयर पद पर भाजपा की नजर है और उसे जीतने के बाद एम.सी.डी. पर ही सियासी डाका डाला जा सकता है क्योंकि स्थानीय निकाय चुनावों में दल बदल कानून लागू नहीं होता है। लिहाजा इस मोर्चे पर केजरीवाल को लगना होगा। वैसे तो अच्छा होता अगर केजरीवाल खुद का चुनाव जीत जाते ऐसे में वह विधानसभा में विपक्ष के नेता बनते और नई भाजपा सरकार की रोज घेराबंदी करते। लेकिन अब ऐसा होने नहीं जा रहा है। भाजपा सरकार केजरीवाल सरकार के समय लिए गए फैसलों की समीक्षा करेगी। मोहल्ला क्लिनिक में दवा खरीद में घोटाले का आरोप पहले ही लगाया जा चुका है। भाजपा आयुष्मान योजना लागू करेगी और मोहल्ला क्लिनिक के मौजूदा स्वरूप में बदलाव होना तय है। यहां केजरीवाल को जनता के बीच उतरने का मौका मिल सकता है। सरकारी स्कूलों में मनीष सिसोदिया की जबरदस्त छाप है। जाहिर है कि भाजपा इस छाप को धूमिल करना चाहेगी। अगर ऐसा होता है तो मनीष सिसोदिया के पास मौका होगा।

भाजपा जरूर चाहेगी कि अधमरी 'आप' के ताबूत में आखिरी कील ठोंक दी जाए। इसके लिए जांच एजेंसियों को सक्रिय किया जाना भी तय है। शराब कांड पर आरोप तय करने और मुकदमा शुरू करने में तेजी देखी जा सकती है। नया मुख्यमंत्री क्या शीश महल में रहने लगेगा या भाजपा इस मसले को आगे भी गरमाए रखेगी यह भी देखना दिलचस्प रहेगा। यानी कुल मिलाकर केजरीवाल को 2 मोर्चों पर एक साथ लडना होगा। विधायकों और पार्षदों को बचाना, अदालती दांव पेचों से खुद को बचाना। इसके लिए कार्यकर्त्ताओं का साथ जरूरी होगा जिनके समर्पण में पिछले 10 सालों में रिसाव ही देखा गया है।

केजरीवाल के जेल जाने पर जितनी संख्या में आप के समर्थक सड़क पर उतरे वह खतरे की पहली घंटी का संकेत दे गया था। लेकिन तब केजरीवाल ने शुतुरमुर्ग की तरह सिर रेत में छुपा लिया था और तूफान गुजर जाने का इंतजार करने लगे थे। तो केजरीवाल क्या करेंगे या क्या कर सकते हैं –

(1). खुद को दिल्ली की राजनीति तक सीमित कर सकते हैं। जहां बीज डाला गया था और जहां पौधा सींचा गया था वहीं पौधा मुरझा गया तो देश में क्या खाक सियासत करेंगे।

(2). केजरीवाल चाहें तो देश भर में मोदी और राहुल गांधी को गरियाते हुए घूम सकते हैं। इसे खिसियानी बिल्ली का खंभा नोंचना ही कहा जाएगा।

(3). केजरीवाल कांग्रेस के इंडिया गठबंधन की धूप छांव में अगले कुछ महीने चुपचाप समय काटने और उचित समय के इंतजार की रणनीति अपना सकते हैं।

(4). केजरीवाल पंजाब के रास्ते राज्यसभा पहुंच कर आप संसदीय दल के नेता बन कर अपने वजूद को चमकाने की कोशिश कर सकते हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत, वियोग में पत्नी ने भी तोड़ा दम

संवाददाता–बहराइच। सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत के दो घंटे बाद वियोग में पत्नी ने भी दम तोड़ दिया। घर से एक साथ दो लाशें उठीं तो घरवाले चीख पड़े। दंपति की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मामला खैरीघाट थाना क्षेत्र के भलुहिया गांव का है। गांव निवासी महेश प्रताप सिंह ने बताया कि पिता जगेश्वर सिंह (78) की बीमारी के चलते रविवार की आधी रात 2 बजे मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। मां उत्तरा देवी (75) से पिता की मौत का गम सह ना सकी। सुबह 4 बजे उनकी मौत हो गई। बताया पिता जगेश्वर वर्ष 2008 में मैकूपुरवा स्थित सरकारी स्कूल से बेसिक जूनियर अध्यापक की पद से सेवानिवृत हुए थे। बीते चार वर्ष से दिल की बीमारी से ग्रसित थे। लखनऊ स्थित अस्पताल का इलाज चल रहा था। 4 फरवरी को अचानक तबियत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया था। जहां उनकी मौत हो गई। दो बेटे दिनेश व महेश और तीन बेटियां मंजू, कुसुम, सीमा है। मौत से सभी का रो–रोकर बुरा हाल है। वही जिसे भी घटना की जानकारी हुई सुनकर हतप्रभ रह गया। परिजनों ने एक साथ दंपती का अंतिम संस्कार कर दिया।

एक दो नहीं 12 जगहों पर मिलें तेल भंडार के संकेत, ड्रिलिंग का काम हुआ शुरू

संवाददाता–गोण्डा। नवाबगंज क्षेत्र के तटीय इलाकों में जमीन के अंदर प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने की संभावना जताई जा रही है। ओएनजीसी (ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन) ने इसकी पुष्टि के लिए सेस्मिक सर्वे व थ्रीडी मैपिंग शुरू कराई है। प्रक्रिया शुरू होने पर लोगों ने भविष्य की उम्मीदों को संजोना शुरू कर दिया है। ओएनजीसी की तरफ से अल्फा जियो इंडिया लि. ने क्षेत्र के उमरिया, होलापुर काजी, कल्यानपुर सहित एक दर्जन इलाकों में जमीन के अंदर खनिज भंडार मिलने की संभावनाओं को देखते हुए सर्वे के लिए जमीन में ड्रिल करने का काम शुरू किया है। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एंड कंसल्टेंट टू पेट्रोलियम एडवाइजर मृत्युंजय सिंह ने बताया कि भू वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट से सभी क्षेत्रों का सर्वे किया था। सैटेलाइट सर्वे में उक्त एक दर्जन इलाकों में प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने के संकेत मिले हैं। इन सभी स्थानों पर जमीन के अंदर 100 फिट गहराई में ड्रिल करके उसके अंदर रॉकेट से विस्फोट किया जाएगा। रॉकेट जमीन में करीब पांच से सात किलोमीटर नीचे तक जाएगा। इससे उठने वाली तरंगों का सेंसर मशीन से सर्वे कर डाटा इकट्ठा किया जाएगा। सेंसर का डाटा परीक्षण के लिए ओएनजीसी भेजा जाएगा।

अल्फा जियो कंपनी ने ओएनजीसी द्वारा बताए गए प्वाइंट्स पर सर्वे करने वाली टीम के साथ डेरा डाल दिया है। जमीन के अंदर ड्रिल करने का काम शुरू किया गया है। कंपनी ने एक दर्जन से अधिक स्थानों पर जमीन में खोदाई का काम शुरू कर दिया है। अल्फा कंपनी के कर्मचारी अंबिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि उनके साथ करीब डेढ़ सौ लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 15 दिसंबर से आजमगढ़ से सर्वे शुरू किया है। सैटेलाइट के सर्वे में मिले प्वाइंट्स पर ड्रिल करके उसमें विस्फोट करके तरंगों को इकट्ठा किया जा रहा है।

अल्फा जियो इंडिया लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर केएम राव ने गत माह डीएम नेहा शर्मा को पत्र देकर कार्रवाई के बारे में अवगत कराते हुए अनुमति मांगी थी। इस पर डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र के गांवों में सेस्मिक सर्वे व थ्रीडी मैपिंग के लिए जनवरी में ही अनुमति दे दी थी। सहयोग के लिए एडीएम आलोक कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है।

सेस्मिक सर्वे व थ्रीडी मैपिंग का मतलब भूकंपीय सर्वेक्षण और भूकंपीय मानचित्र बनाना है। इसके माध्यम से पता चलता है कि जमीन के अंदर कौन–कौन से तत्व और खनिज उपलब्ध हैं। अभी क्षेत्र के अन्य स्थानों पर ड्रिलिंग की जाएगी। इसके माध्यम से पूरी जानकारी हासिल की जाएगी।

किसानों के खेतों में सर्वे वाली जगह पर हुए फसल के नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी की तरफ से 1500 से दो हजार रुपये दिए जा रहे हैं। क्षेत्र में खनिज भंडार होने की संभावना की जानकारी से क्षेत्र के लोग खुश हैं। रामकुमार, दिनेश, राजेश व गोलू का कहना है कि जमीन के अंदर खनिज भंडार मिलने से क्षेत्र की सूरत बदल जाएगी।

किसान का क्षत विक्षत शव मिला,हत्या की आशंका

संवाददाता–बहराइच। मिहीपुरवा इलाके के एक गांव से कुछ दूरी स्थित खेत में अधेड़ किसान का क्षत विक्षत शव मिलने से परिजनों में हाहाकार मच गया है। रविवार रात जब किसान घर नही आया। तो परिजन सोमवार सुबह उसकी तलाश में निकले थे। परिजनों ने इसकी सूचना थाने पर दी है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे है। मोतीपुर थाने क्षेत्र में के पत्थर पुरवा गांव के निवासी 60 वर्षीय सुंदर मौर्य का निवास से कुछ दूरी पर खेत हैं । खेत मे गई थी इस समय गेहूं की फसल लगी हुई हैं, रविवार को वो फसल की रखवाली करने के लिए गए थे । लेकिन सुबह तक वो वापस नहीं लौटे , तो परिजन उनकी तलाश में खेत पहुंचे। तो वहां पर संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव देख चीख पुकार मच गई । लोगों ने इसकी सूचना थाने पर दी। , जानकारी पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । एसएचओ राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि खेत की रखवाली करने गए एक ग्रामीण का शव मिला हैं। मृतक टीबी का मरीज था । मामले की जांच की जा रही है।

कोचिंग जा रहे छात्र को ट्रक ने रौंदा,दर्दनाक मौत

संवाददाता–बहराइच। सोमवार सुबह घर से कोचिंग जा रहे छात्र को ट्रक ने रौंद दिया। मेडिकल कालेज लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। शोभित वर्मा (16) पुत्र मदनचंद वर्मा निवासी त्रिकोलिया फूलबख्श इंटर कालेज में कक्षा दस का छात्र था। वह सुबह साढे सात बजे साइकिल से हुजूरपुर में कोचिंग पढ़ने जा रहा था। बौंवा के पास बहराइच की तरफ से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उसकी साइकिल पर पीछे से ठोकर मार दी। इससे वह गिर गया। उसके दोनों पैर ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस की मदद से छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरैयाटांड़ पंहुचाया। जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने के कारण मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया।

बहराइच में भी हालत में सुधार न होने के कारण चिकित्सकों ने मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय जरवलरोड के पास उसकी मौत हो गई। वहां से छात्र के शव को फिर से मेडिकल कालेज बहराइच लाया गया। जहां उसका पोस्टमार्टम कराया जायेगा। थाना प्रभारी अनिल कुमार मिश्र ने बताया कि ट्रक कब्जे में लिया गया है। चालक को हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई की जा रही है।

साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे भारत–नेपाल के कलाकार

संवाददाता–महराजगंज। भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और साझा विरासत को संजोने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक यात्रा 11 फरवरी को दोपहर 2 बजे जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज, महराजगंज पहुंचेगी, जहां दोनों देशों के कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। एसडीएम सदर रमेश कुमार ने बताया कि यह सांस्कृतिक यात्रा सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी से गुजरते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में संपन्न होगी। इस यात्रा के माध्यम से दोनों देशों के कलाकार तराई के जनपदों की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का संदेश देंगे। महोत्सव के दौरान भारत और नेपाल के कलाकारों द्वारा संगीत, लोकगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक परिधान प्रदर्शन और भारत–नेपाल फ्यूजन बैंड शो भी आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा, नृत्य वाटिका में रघुनंदन और समुद्रमंथनम जैसे पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुतियां भी देखने को मिलेंगी।

भारत–नेपाल की सांस्कृतिक चित्र प्रदर्शनी भी महोत्सव का एक विशेष आकर्षण होगी, जिसमें दोनों देशों की कला और परंपरा को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका अनुपमा राग अपनी सुरीली प्रस्तुति से इस महोत्सव को और भी यादगार बनाएंगी। एसडीएम रमेश कुमार ने बताया कि इस सांस्कृतिक यात्रा से भारत–नेपाल की मित्रता को नया आयाम मिलेगा। भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। यह महोत्सव दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और आपसी सौहार्द को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस तरह के आयोजन से न केवल संस्कृति का प्रचार–प्रसार होगा बल्कि सीमावर्ती इलाकों के लोगों को आपसी भाईचारे और समन्वय का संदेश भी मिलेगा।

अपमिश्रित पेट्रोल के कालाबाजारी का मुख्य आरोपी घर से फरार

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल कस्बे में एक सप्ताह पहले एक टैंकर में भरे नौ हजार लीटर अपमिश्रित पेट्रोल (सॉल्वेंट) पकड़े जाने के मामले में जांच तेज हो गई है। नमूना लेकर लैब में जांच के लिए भेजने के साथ पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर टैंकर स्वामी, चालक और खलासी के खिलाफ अपमिश्रित पेट्रोल की कालाबाजारी के आरोप में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। पकड़े गए टैंकर चालक और खलासी से पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी टैंकर स्वामी घर से फरार है। इस मुकदमें के मुख्य आरोपी टैंकर स्वामी गोरखपुर का रहने वाला है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने दबिश दी, लेकिन मुख्य आरोपी अपने घर से फरार मिला। इसके चलते पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। टैंकर के चार चौंबर में से तीन चैंबर में प्रत्येक में तीन–तीन हजार लीटर सॉल्वेंट आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने गेज से मापा था। इन तीनों चौंबर के तेल का अलग अलग नमूना लेकर आपूर्ति विभाग की टीम ने लैब में जांच के लिए भेज दिया। चौथे चौंबर में तेल नहीं था, इस बारे में चालक ने पुलिस को बताया था कि एक चौंबर का तीन हजार लीटर सॉल्वेंट वह कुशीनगर जिले के कसया के एक पेट्रोल पंप पर बेचकर नौतनवा में शेष सॉल्वेंट को बेचने के लिए निकला था। बताया जा रहा है कि सॉल्वेंट के नमूना की जांच रिपोर्ट में यदि तेल में मिलावट की पुष्टि हुई तो बार्डर क्षेत्र के पेट्रोल पंपों का भी नमूना प्रशासन द्वारा जुटाया जा सकता है। निचलौल में एक टैंकर पर अपमिश्रित पेट्रोल पकड़े जाने के एक सप्ताह बाद अभी तक इस तेल के बाबत कोई वैध कागजात इस धंधे में शामिल लोगों द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। ऐसे में अपमिश्रित पेट्रोल (सॉल्वेंट) कहां से लदा कहां जाना था? इसकी इनवॉइस नहीं मिल पा रही है।

निचलौल पुलिस द्वारा एक सप्ताह पहले पकड़ा गया सॉल्वेंट भरा हुआ टैंकर आपूर्ति विभाग और पुलिस ने सीज कर निचलौल थाना में खड़ा किया था।

घर बंद कर बाहर जाते समय पुलिस को करें सूचित

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना सभागार में पुलिस कर्मियों की बैठक में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों पर नियंत्रण रखने पर चर्चा की गई। वरिष्ठ उप निरीक्षक संजय कुमार ने कहा कि अक्सर लोग घर बंद कर कहीं शादी समारोह या और जरूरत के कामों से चले जा रहे हैं। लोगों को चाहिए कि वह पुलिस को सूचित कर दें, जिससे कि उस क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी गस्त के दौरान निगरानी कर सकें। एसआई संजय कुमार ने कहा कि रात के समय गस्त और बीट पर तैनात पुलिसकर्मी कस्बो एव गांव में बाहर से आकर रहने वालों पर भी नजर रखें और उनके सत्यापन भी करें। उन्होंने सभी चौकी प्रभारी व बीट पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने–अपने बीट के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों एवं जागरूक लोगों से संपर्क कर उन्हें अवगत कराएं कि जो लोग भी घर बंद कर कहीं जा रहे हैं तो पुलिस को अवश्य सूचित करें। जिससे उनके घरों की निगरानी रखी जा सके। बैठक में चौकी प्रभारी राजकुमार सिंह, उपनिरीक्षक शेर बहादुर यादव, फैयाज अहमद खान, जगदंबा प्रसाद, चंदन खरवार, अभिनव पटेल, तनु दुबे, सचिन कुमार, शुभम तिवारी, निशांत कुमार, दिव्यांशु राय, राणा प्रताप, दीपक यादव, अवधेश यादव, लक्ष्मी शंकर यादव, अनुज सिंह, अंबुज राय आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

जयंती पर याद आए क्रांतिकारी शिव वर्मा

संवाददाता–बहराइच। सेनानी भवन सभागार में सेनानी उत्तराधिकारियों ने शहीदे आजम भगत सिंह के करीबी क्रांतिकारी शिव वर्मा की 121वीं जयंती मनाई। स्वतंत्रता आन्दोलन में भागीदारी और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्र के नवनिर्माण में सहयोग की चर्चा की। संगठन के संरक्षक एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि महान क्रांतिकारी शिव वर्मा पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भगत सिंह के लेखों और हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजातांत्रिक संघ के दस्तावेजों को संग्रह कर लिपि बद्ध किया। शिव वर्मा के माध्यम से ही आज हम भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरु, भगवती चरण वोहरा, जतिन दास और महावीर सिंह आदि की कहानियों से परिचित हुए हैं। प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मिश्र ने कहा कि क्रांतिकारी शिव वर्मा ने 17 वर्ष की आयु में 1921 में पूज्य बापू महात्मा गांधी जी के असहयोग आन्दोलन में भाग लिया। एडवोकेट दिनेश कुमार मिश्र ने कहा कि वे काकोरी मुकदमे में राम प्रसाद बिस्मिल से जेल में मिले, बिस्मिल ने बड़े विश्वास के साथ उनको अपनी आत्म कथा सौंपी थी।

चाकू से गोदकर दुकानदार की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। सोमवार की सुबह खराद की दुकान करने वाले दुकानदार की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पड़ोस में मुर्गे की दुकान करने वाले युवक ने गंदगी फेंकने से मना करने पर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के जानकीनगर की है। जानकीनगर निवासी राहत अली ने बताया कि उनके मोहल्ले में मोहम्मद यासीन (42) खराद की दुकान करते थे। उनकी दुकान के बगल एक मुर्गे की दुकान है। मुर्गा व्यापारी उसकी दुकान पर गंदगी फेंकते थे, जिसका यासीन ने विरोध किया।

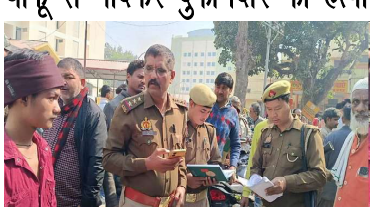

इस बात को लेकर सोमवार की सुबह मुर्गा की दुकान करने वाले ने यासीन को चाकू मार दिया। जिससे वह मरणासन्न हो गया। परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। अब्दुल खान का कहना है कि यार मोहम्मद उसके चाचा का लड़का था। विपक्षी आए दिन उसे धमकाते थे। उन लोगों ने उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कार्रवाई की मांग की।

पोखरे पलटी स्कूली वैन, बाल–बाल बचे

संवाददाता–महराजगंज। घुघली के अमोढ़ा गांव के पास सोमवार की सुबह एक स्कूली वैन पोखरे में पलट गई। हादसे के समय वैन में तीन बच्चे बैठे थे। संयोग अच्छा रहा कि तीनों बाल बाल बच गए।

हादसे वाली जगह सड़क टूटकर पोखरे की जद में चली गई है। घुघली कस्बे के एक निजी स्कूल की वैन गांव से तीन बच्चों को लेकर स्कूल के लिए निकली। कोहरे के कारण सड़क के किनारे का चालक को पहुंचकर घटना का जायजा ली

चिंताहरण हनुमान मंदिर में मनाया गया भगवान का प्राकट्योत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम की प्रतिष्ठित पीठ चिंताहरण हनुमान मंदिर रायगंज में सोमवार को चिंताहरण हनुमान का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। पाटोत्सव को पीठ के पीठाधिपति महंत रामस्वरूप दास महाराज ने अपनी सानिध्यता प्रदान की। मठ के गर्भगृह में विराजमान चिंताहरण हनुमान का सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चारण संग विद्वान आचार्यों ने अभिषेक–पूजन कराया। तदुपरांत नया वस्त्र धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात चिंताहरण हनुमान को विविध व्यंजनों का भोग लगाकर दिव्य आरती उतारी। प्राकट्योत्सव पर पूरा मंदिर प्रांगण पुलकित रहा। उत्सव की शोभा देखते हुए बनी। भक्तों ने भक्तिमय माहौल में रमकर गोता लगाया। भक्तजनों ने महोत्सव पर सम्मिलित होकर अपना जीवन कृतार्थ किया। इस अवसर पर चिंताहरण हनुमान मंदिर के उत्तराधिकारी महंत आचार्य भरत दास शास्त्री महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माघ शुक्ल त्रयोदशी तिथि पर आश्रम के गर्भगृह में विराजमान चिंताहरण हनुमान का प्राकट्योत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। चिंताहरण हनुमान अपने भक्तों के समस्त चिंताओं को हर लेते हैं। उनका कल्याण करते हैं भक्तों का उनके प्रति गहरा लगाव है। वह भक्तजनों के समस्त मनोरथ को पूर्ण करते हैं। भक्तजन पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ उनके दरबार में आते हैं। अपनी पूरी श्रद्धा निवेदित करते हैं। आज तक उनके दरबार से कोई खाली हाथ नही लौटा। चिंताहरण हनुमान ने सबकी झोली भर दी है। पाटोत्सव पर महाविरक्त आश्रम के महंत माधवदास रामायणी, सीताराम निवास के महंत भूषण दास, सरयू मंदिर के महंत रामअवध दास समेत रामनगरी के सभी संत–महंत व मंदिर से जुड़े शिष्य–अनुयायी, परिकर उपस्थित रहे। जिन्होंने चिंताहरण हनुमान के प्राकट्योत्सव पर प्रसाद भी ग्रहण किया। अंत में चिंताहरण हनुमान मंदिर उत्तराधिकारी महंत आचार्य भरत दास शास्त्री द्वारा आए हुए संत–महंत एवं विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार किया गया।

भक्त और भगवान के मिलन पर भक्त से अनंत गुना आनंद भगवंत को होता है –आचार्य राधे श्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।जब भक्त भगवान को मिलता है, तो जितनी पुलक और आनन्द भक्त में घटती है, तो उससे अनंत गुना पुलक और आनन्द,भगवान में घटती है और घटनी ही चाहिए, क्योंकि अनंत गुना है भगवान भक्त से। भक्त तो एक बूंद है, भगवान तो एक सागर है,अगर बूंद इतनी नाचती है, तो तुम सोचो, सागर कितना नाचता होगा उक्त विचार जयसिंहपुर सीता कुंड अयोध्या धाम में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने कहा उन्होंने बताया कि भगवान कोई व्यक्ति नहीं है, यह सारी समष्टि वही है। इसलिए वह सब रूपों में नाचता है, सब रूपों में हंसता है, सब रूपों में पुलकित होता है, हरियाली में और हरा हो जाता है। रंग में और रंगीन हो जाता है। इंद्रधनुष में और गहरा हो जाता है। लेकिन वह दिखाई पड़ता है उसी को, जिसके ह्रदय में अहोभाव भरा है, जो नाच रहा है, आज उसे परमात्मा साथ ही नाचता हुआ दिखाई पड़ता है।यही तो अर्थ है कि सोलह हजार गोपियां नाचती हैं और प्रत्येक गोपी को लगता है कृष्ण उसके साथ नाच रहे हैं।

श्री महाराज जी ने बताया कि कृष्ण अगर व्यक्ति हों, तो एक ही गोपी के साथ नाच सकते। कृष्ण कोई व्यक्ति नहीं हैं। कृष्ण तो एक तत्व का नाम है। वह तत्व सर्वव्यापी है। जब तुम नाचते हो और तुम नाचने की क्षमता जुटा लेते हो, तब तुम अचानक पाते हो कि सारा अस्तित्व तुम्हारे साथ नाच रहा है।फिर अस्तित्व बहुत बड़ा है, वह दूसरों के साथ भी नाच रहा है। इसलिए भक्त को कोई ईर्ष्या पैदा नहीं होती। अन्यथा तुम सोच सकते हो कि सोलह हजार स्त्रियों ने क्या गति कर दी होती कृष्ण की, अगर यह बात साधारण संसार की बात हो, जैसा कि इतिहासविद मानते हैं।पश्चिम की सारी शिक्षा है रजस की, दौड़ो, पाओ,घर बैठे कुछ न मिलेगा,करना पड़ेगा। वे दौड़ने में इतने कुशल हो गए हैं कि जब उन्हें मंजिल भी मिल जाती है, तो रुक नहीं पाते, तब वे आगे की मंजिल बना लेते हैं। वे दौडते ही रहते हैं।पूरब सो रहा है, पश्चिम भाग रहा है। तामसी सोता है, राजसी भागता है,दोनों चूक जाते हैं। सोया हुआ इसलिए चूक जाता है कि वह मंजिल तक चलता ही नहीं है और भागने वाला इसलिए चूक जाता है कि कई बार मंजिल पास आती है, लेकिन वह रुक नहीं सकता। वह जानता ही नहीं कि रुके कैसे। एक जानता नहीं कि चले कैसे, एक जानता नहीं कि रुके कैसे।सत्य का अर्थ है, संतुलन। सत्य का अर्थ है, जानना कब चलें, जानना कब रुके,जानना कि कब जीवन में गति हो, और जानना कि कब जीवन में विश्राम हो। जिसने ठीक–ठीक विश्राम जाना और ठीककृठीक कर्म जाना, वह सत्व को उपलब्ध हो जाता है, सम्यकत्व को उपलब्ध हो जाता है। कथा के विश्राम बेला पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी से खतरे का सबब बन रहे गैस सिलेंडर

संवाददाता–बलरामपुर जिले के तीन गोदामों से लोगों के घरों तक पहुंचने वाले सील पैक सिलेंडरों के सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। डिलीवरी मैन उपभोक्ताओं को सील की जांच करके सिलेंडर नहीं देते हैं और न ही लोग इस बारे में जागरूक हैं। ऐसे में सिलेंडर के सील में छोटी खामी के कारण बड़ी घटना होने की संभावना बनी रहती है।

शनिवार को देहात कोतवाली के रामपुर खगईजोत के मजरा भरिया में धमाका हुआ था। जिसके बाद आग लग गई थी। बताया जाता है कि नए सिलेंडर का पिन निकलने के कारण गैस रिसाव से धमाका हुआ था। ऐसा होना इस बात की पुष्टि करता है कि डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम पर आने वाले सिलेंडरों की सुरक्षा जांच ठीक से नहीं हो रही है। जिले में गैस सिलेंडर आपूर्ति के लिए कुल 42 एजेंसियां हैं। इनमें भारत गैस पेट्रोलियम की 14, हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 12 व इंडेन की 16 एजेंसियां हैं। इन एजेंसियों के माध्यम से सभी पांच नगर निकायों व 793 ग्राम पंचायतों में उपभोक्ताओं के घर रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जाती है। आम उपभोक्ताओं के साथ ही उज्ज्वला योजना के लाभार्थी भी इन्हीं एजेंसियों से रसोई गैस लेते हैं। घरेलू व कामर्शियल सिलेंडर आपूर्ति में कांटे से तौल नहीं होती है। गैस सिलेंडर के सील की जांच भी नहीं होती है। ऐसे में अक्सर हल्की सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है।

नोडल अधिकारी, उज्ज्वला योजना ने कहा कि जनपद में आपूर्ति करने वाले विभिन्न एजेंसियां गोंडा, सुल्तानपुर, शाहजहांपुर आदि जिलों से सिलेंडर मंगाती हैं। ग्राहकों को गैस सिलेंडर का वजन कराने के साथ साथ सील की जांच करनी चाहिए। सिलेंडर में कोई खामी मिलने पर डिस्ट्रीब्यूटर की जिम्मेदारी है कि वह उसे बदलकर दे।

परीक्षा पर चर्चा कर छात्रों के भय को दूर किया गया

संवाददाता–बहराइच। भगड़िया स्थित जेपीआर इंटर कॉलेज में सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–छात्राओं के समक्ष आने वाली परेशानियां व भय को दूर करना था। इसमें प्रधानमंत्री की ओर से की गई चर्चा को सुनाया सुनाकर उनके अंदर के भय को दूर किया गया। निडर होकर परीक्षा में शत प्रतिशत उत्तर देने की बात कही गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सशस्त्र सीमा बल के निरीक्षक मदनलाल, सहायक निरीक्षक एम प्रेमचंद, दीपक कुमार सिंह, सरोज सिंह आदि मौजूद रहे।

अश्लील व भड़काऊ गाना न बजाएं डीजे संचालक

संवाददाता–बहराइच। थाना परिसर में सोमवार को एसएचओ ने डीजे संचालकों के साथ बैठक की। इस दौरान पुलिस ने सभी को सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाया। कहा कि अश्लील और धार्मिक भड़काऊ गाने न बजाएं। एसएचओ करुणाकर पांडेय ने डीजे संचालकों से कहा कि स्वीकृत डेसिबल से अधिक ध्वनि पर गाने न बजाएं। जिससे ध्वनि प्रदूषण न फैले। पुलिस अधीक्षक का निर्देश है अवहेलना करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के इस निर्देश के बाद से डीजे संचालकों में हड़कंप मचा है। इस अवसर पर कोट बाजार, भूपगंज बाजार, बस स्टैंड के डीजे संचालकों से सहमति पत्र भी भराए।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिया परीक्षा का गुरुमंत्र, छात्रों ने पूछे सवाल

संवाददाता–गोण्डा। बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा का गुरुमंत्र दिया। शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में पीएम के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखकर छात्र आत्मविश्वास से भर गए। छात्रों ने तनावमुक्त होकर तैयारी में जुटने का संकल्प लिया। 12वीं के छात्र अजय ने कहा कि पहले उनके मन में परीक्षा को लेकर डर था, लेकिन पीएम के संबोधन के बाद मन का तनाव दूर हुआ। 12 के छात्र आदर्श पांडेय ने बताया कि पीएम के कार्यक्रम को देखने के बाद बेहतर समय प्रबंधन की जानकारी मिली। इसी प्रकार अमन पांडेय, अजय शर्मा, अजय तिवारी आदि ने अपनी प्रक्रियाएं दी। प्रधानाचार्य शैलेश पटेल, ऋषि शुक्ल समेत अन्य शिक्षकों को भी अच्छी जानकारी मिली।

फर्जी तरीके से भतीजी की संपत्ति हड़पने में तीन पर केस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र की गोनहा ताल गांव निवासी एक पीड़ित महिला ने अपनी संपत्ति को फर्जी तरीके से हड़पने के मामले को लेकर अपने तीन चाचा पर थाना मिश्रौलिया में केस दर्ज कराया है। मिश्रौलिया पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के गोनहाताल गांव निवासी सुनीता पत्नी सुनील कुमार ने मिश्रौलिया थाने में दिए तहरीर में कहा कि उसका मायका कठेला समयमाता थाना क्षेत्र के धोहहा गांव में है। उसके पिता श्याम नारायण की मौत करीब 20 वर्ष पूर्व हुई। उसकी माता सावित्री देवी की मौत करीब 17 वर्ष पूर्व हो गई। उस समय सुनीता की उम्र केवल सात वर्ष रही। उसके पिता श्याम नारायण की मौत के बाद उसकी माता सावित्री देवी का नाम जायज व कानूनी तौर पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज हुआ। सुनीता का कहना है कि वह अपने माता–पिता की इकलौती संतान थी उसके कोई अन्य भाई बहन नहीं हैं। उसके माता–पिता की मौत के बाद उसके नाना नानी जो बांसी कोतवाली क्षेत्र के गरगजना में रहते हैं, उसका पालन पोषण किया और उसकी शादी भी वहीं से बांसी कोतवाली के गोनहाताल गांव में सुनील के साथ कर दिए।

पुनीत सिंह ने तहरीर देकर बताया कि संदीप सिंह उर्फ सन्नी 06 फरवरी को आंबेडकरनगर जिले के थाना क्षेत्र बसखारी के इमादपुर गांव में भतीजे के सगाई कार्यक्रम में शामिल होने आया था। शनिवार (06 फरवरी) को वह बाइक से गांव के लिए निकला। रविवार सुबह ग्रामीणों ने सिकरीगंज क्षेत्र के सियर गांव स्थित सती माता मंदिर के पास बाइक से 10 फीट दूर शव मिला। बाइक के कुछ पार्ट क्षतिग्रस्त थे। संदीप की जेब में पर्स व रुपये नहीं थे। आरोप है कि किसी ने लूट की नीयत से हमला कर उसकी हत्या कर दी है। संदीप अविवाहित था। वह तीन भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। माता–पिता की मौत छह वर्ष पहले हो चुकी है। संदीप बीए की पढ़ाई के साथ ही घर पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता था। पुनीत सिंह ने बताया कि सिकरीगंज थाने की पुलिस को लूट और हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हैं। पुलिस कह रही है कि सड़क हादसे में मौत हुई है। इधर, सूचना पर घटनास्थल पर एसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार व गोला सीओ मनोज कुमार पांडेय ने पहुंचकर छानबीन की। एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, इससे मौत की वजह पता चल पाएगी। अगल–बगल के सीसीटीवी कैमरों को भी दिखवाया जा रहा है। सिकरीगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मौके पर पहुंचे मृतक के बहनोई जो अंबेडकरनगर जिले के थाना क्षेत्र बसखारी के गांव इमादपुर के निवासी हैं उन्होंने तहरीर के माध्यम से आरोप लगाया कि संदीप सगाई कार्यक्रम में शामिल होकर 8 फरवरी को दोपहर 2रू30 बजे अपने घर हरिहरपुर के लिए निकला था। उसके घर का निर्माण कार्य चल रहा था तो अपनी बहन से दस हजार रुपए मजदूरी देने के लिए लिया था और उसके पास भी कुछ रुपए थे।उसी दिन रात 9 बजे मेरी पत्नी यानी संदीप की बहन ने फोन किया तो उसने बताया कि मेरे साथ साजिश हो गई है सुबह बात करुंगा। रविवार को सिकरीगंज पुलिस द्वारा उसके मौत की सूचना दी गई।उसका पर्स व रुपए मौके पर नहीं मिला।उसके साथ लूट हुई है उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।

साजिश हो गई है, सुबह बात करुंगा, संदिग्ध अवस्था में मिला शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर।

11 फरवरी तक वीआईपी पास फुल, सुबह पांच से रात 11 तक खुल रहा है मंदिर, बदला आरती का समय

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले 20 दिनों में रामलला के दरबार में 50 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके है। रोजाना तीन लाख श्रद्धालु रामलला के दरबार में पहुंच रहे हैं। वहीं वीआईपी दर्शन की भी होड़ है। 11 फरवरी तक राम मंदिर के वीआईपी पास फुल हो चुके हैं। जबकि 12 जनवरी को माघी पूर्णिमा स्नान के दिन वीआईपी दर्शन के पास जारी करने पर रोक रहेगी। वहीं बढ़ती भीड़ को देखते हुए दर्शन की अवधि फिर बढ़ा दी गई है।

शनिवार को सुबह पांच बजे से रात 12 बजे तक दर्शन हुए। सोमवार को भी मंदिर सुबह पांच बजे ही खोल दिया गया। इस सुबह चार बजे से ही रामलला के मंगला आरती शुरु हो जाती है। इसके बाद पांच बजे से मंदिर निरंतर रात 11 बजे तक खोला जा रहा है। वहीं राम मंदिर में रोजाना करीब चार हजार लोग वीआईपी दर्शन कर रहे हैं। आम दिनों में यह संख्या दो हजार के आस–पास होती थी। वीआईपी दर्शन के लिए राममंदिर ट्रस्ट की ओर से सात स्लॉट निर्धारित किए गए हैं। हर स्लॉट में सीमित संख्या में पास जारी किए जाते हैं।

राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि वीआईपी दर्शन के सभी स्लॉट दो से तीन दिन पहले ही बुक कर लिए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अग्रिम बुकिंग की सुविधा की गई थी। अभी 11 जनवरी तक के सभी स्लॉट फुल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 12 जनवरी को माघ पूर्णिमा का स्नान है, लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। इसलिए 12 जनवरी के दिन वीआईपी पास जारी करने पर रोक रहेगी।

रामगुलेला से रामजन्मभूमिपथ को जोड़ने वाले रास्ते को लंबे समय से बंद रखा गया है। यह रास्ता भी राम मंदिर की भीड़ को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता था। बताया गया कि सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है इसलिए सड़क को बंद किया गया है। वही अमावा मंदिर के बगल से रामजन्मभूमि पथ की ओर केवल सुगम पास धारकों को ही भेजा जाता है। इस रास्ते का प्रयोग भी भीड़ नियंत्रण के लिए किया जा सकता है। यह रास्ता खुलने से स्थानीय दुकानदारों को भी लाभ होगा, श्रद्धालु इधर आएंगे तो खरीदारी भी बढ़ेगी।

भूमि आवंटन के एक वर्ष बाद भी मेडिकल कॉलेज को नहीं मिली स्वीकृति

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के वासियों को मेडिकल कालेज की सौगात मिलने की राह आसान नहीं हो पा रही है। भूमि आवंटन के करीब एक वर्ष बाद भी मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति नहीं मिल पाई है। इससे सभी में निराशा है।

जिला प्रशासन ने फरवरी 2024 में तहसील क्षेत्र के जंगलऊन में मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रस्ताव भेजा है। इसके लिए 15 एकड़ भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव किया है। इतना ही नहीं जिला अस्पताल को अपग्रेड करने का भी प्रस्ताव भेजा गया था। मरीजों का इलाज यहां होता। जंगल ऊन में अकेडमिक ब्लाक बनाया जाना है। जो जिला अस्पताल से सिर्फ चार किमी की दूरी पर है।

कई वर्षों से जनपद में मेडिकल कालेज बनाने की कवायद चल रही है। जिले में हायर सेटर न होने के कारण यहां के गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर किया जाता था। जिससे समय पर उपचार न होने के कारण लोगों की जान भी चली जाती थी। जनपद का प्रभार लेने के बाद से ही जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने इस ओर प्रयास शुरू कर दिया था। उन्होंने काफी तलाश के बाद खलीलाबाद तहसील के जंगल ऊन में 15 एकड़ जमीन न सिर्फ चिन्हित किया बल्कि उसे मेडिकल कॉलेज के नाम अभिलेख में दर्ज भी करा दिया। इसके बाद डीएम ने प्रस्ताव शासन को भेजा। जिला अस्पताल को अपग्रेड करने के साथ ही जंगलऊन में एकेडमिक ब्लॉक बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। लेकिन अभी तक इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी है।

जिले में पिछले सभी कार्यक्रम में आए प्रदेश के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज की सौगात देने की बात जनपद वासियों से की थी। शासन से प्रस्ताव मांगा था। जब प्रशासन ने भूमि को चिह्नित कर शासन को प्रस्ताव भेजा तो अभी तक इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी है। यदि मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिल जाती तो जिले में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हो जाती। यहां को लोगों को हायर सेंटर नहीं जाना पड़ता।

लुटेरों के करीब पहुंची पुलिस,जल्द हो सकता है पर्दाफाश

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के निघुरी के पास एक सप्ताह पूर्व सिद्धार्थनगर के दो सेल्समैनों से हुई करीब साढ़े छह लाख रुपये के लूट की घटना जल्द खुल सकती है। पुलिस बदमाशों के करीब पहुंच चुकी है। इसमें सीसीटीवी फुटेज मददगार साबित हो सकती है। एसपी की गठित पांच टीमें जांच पड़ताल में जुटी हैं। सिद्धार्थनगर जिले के तेतरी बाजार के शास्त्री नगर निवासी नूर आलम पुत्र शाह आलम की सिद्धार्थनगर में मोबाइल की दुकान है। एक फरवरी को उनकी दुकान पर काम करने वाले प्रदीप कन्नौजिया पुत्र विश्राम कन्नौजिया निवासी चूड़ीहारी थाना उस्का बाजार व सलीम मोहम्मद पुत्र मोईद निवासी भदवल मोबाइल का सामान देने व पैसा कलेक्शन करने के लिए खलीलाबाद गए थे। दोनों लोग बाइक से लौट रहे। रास्ते में निघुरी के आगे रात्रि करीब 9.25 बजे बाइक सवार चार बदमाशों ने रास्ता पूछने के बहाने गाड़ी रुकवाया और रॉड से मारकर कलेक्शन के करीब साढ़े छह लाख रुपये व दो मोबाइल रखा बैग लूट ले गए। इस मामले में पांच फरवरी को पुलिस ने चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ छिनैती का केस दर्ज किया था। डीआईजी दिनेश कुमार पी और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने छह फरवरी को घटनास्थल का निरीक्षण किया था। एसओ रहे नंदू गौतम ने उच्चाधिकारियों को अत्यधिक विलंब से घटना की सूचना दिया था और अल्पीकरण करते हुए छिनैती में केस दर्ज किया था। जिसकी की वजह से एसपी ने एसओ रहे नंदू गौतम को सस्पेंड कर दिया था। घटना के पर्दाफाश के लिए बेलहर पुलिस, एसओजी टीम, सर्विलांस टीम समेत कुल पांच टीमें लगाई गई हैं। पुलिस सूत्रों की माने तो पुलिस टीम की जांच काफी हद तक आगे बढ़ चुकी है।

सीएचसी पहुंचकर देखा ईटीसी वार्ड का हाल, दी सलाह

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील चौरसिया ने सोमवार को शोहरतगढ़ सीएचसी का विजिट कर इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर (ईटीसी) वार्ड का हाल देखा। इस दौरान ईटीसी कर्मियों को जरूरी सलाह दिए। बीसीपीएम को ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत सभी सीएचओ के साथ बैठक कर फाइलेरियों पीड़ितों के बीच किट बांटने का निर्देश दिया। उन्होंने ईटीसी वार्ड में तैनात स्टॉफ नर्स रतन लाल व चंदा से वार्ड की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। मरीजों को मिलने वाली सेवाओं के बारे में पूछताछ की। उपलब्ध दवाओं का जायजा लिया। उन्होंने वार्ड की सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करते रहने का निर्देश दिया। इसके अलावा बीसीपीएम सुरेंद्र पाल से फाइलेरिया किट के संदर्भ में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी सीएचओ के साथ बैठक करें। बैठक के दौरान फाइलेरियें रोगियों के बीच उपलब्ध किट को वितरण करने का निर्देश दें। साथ ही किट देते समय सीएचओ उपयोगिता के संदर्भ में मरीजों को जानकारी दे सकें, इसके लिए सभी को प्रशिक्षित करें। किसी भी तरह की दिक्कत होने पर तत्काल संपर्क करें। उन्होंने बताया कि बढ़नी ब्लॉक पीएचसी का भी विजिट कर कर्मियों को जरूरी जानकारी दी गई।

थार से कुचलकर हत्याएं: आरोपी की अवैध संपत्तियों पर चलेगा बुलडोजर, पैसे के दम पर पाल रखे थे गुर्गे

संवाददाता–अयोध्या। कैंट कोतवाली क्षेत्र के बनबीरपुर में थार से कुचलकर हुई हत्याओं के आरोपी अर्पित दुबे की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चल सकता है। सट्टेबाजी के बल पर अर्जित की गई अकूत संपत्तियों का ब्यौरा पुलिस खंगाल रही है। उसके बैंक खातों का भी विवरण जुटाया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बनबीरपुर निवासी कप्तान सिंह उर्फ रवींद्र व आलोक सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी अर्पित दुबे के पिता कचहरी में मुंशी हैं। सामान्य परिवार में जन्में अर्पित को शुरू से ही आलीशान जिंदगी गुजारने का शौक था। कम समय में तरक्की की चाह में उसने गलत रास्ते को हमराह चुना और सट्टेबाजी की काली दुनिया में एंट्री की। इसके दम पर वह लगभग आठ–नौ साल में ही अकूत संपत्तियों का मालिक हो गया। पैसों के दम पर उसने गांव के बाहर कई गुर्गे पाल रखे थे, जिन्हें उससे मोटी रकम मिलती थी। इन्हीं गुर्गों के सहारे वह सट्टे में काफी कुछ गंवाने वालों को डरा–धमकाकर उनकी जमीनों पर भी नजर रखता था। कम समय में अकूत संपत्तियां अर्जित करने के साथ ही उसका रौब और रुतबा बढ़ता गया और गांव के लोगों से तनातनी रहती थी। इस बीच उसके ऊपर सट्टेबाजी से संबंधित मुकदमे भी दर्ज हुए।

पुलिस के अनुसार अपराध जगत से काली कमाई करके उसने थार खरीदी थी। इसके अलावा उसके पास चार पहिया दो अन्य वाहन भी होने का दावा किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक कैंट पंकज सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपराध जगत से काफी संपत्ति बनाई है। आरोप पत्र दाखिल करने के बाद गैंगस्टर की कार्यवाही के दौरान समस्त संपत्तियों का आंकलन किया जाएगा। फिलहाल आरोपी के पास एक मकान व दो अन्य कार के अलावा कीमती जमीनें होने की भी जानकारी मिली है। वहीं, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी की अवैध संपत्तियों पर निश्चित तौर से बुलडोजर चलाया जाएगा। इसके लिए सारी जानकारी जुटाई जा रही है।

आवारा पशुओं से फसल बचाने के लिए जूझ रहे किसान

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के किसान गेहूं की फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कारण बना है आवारा पशुओं का आतंक। जान जोखिम में डालकर गेहूं की फसल बचाना सभी की मजबूरी हो गई है। किसानों का कहना है कि कस्बे के कुछ मोहल्ले में प्रशासन द्वारा पशुओं को पकड़वाने का अभियान चलाया गया, जो महज खानापूर्ति साबित हो रहा है। छुट्टा पशुओं से मेंहदावल पूर्वी कछार क्षेत्र के साथ ही नगर पंचायत के धौराघाट, भरवलिया पाण्डेय, गगनई राव, बाराखाल, कटेला, खर्चा, बहबोलिया, कांटी के सीवान में खेती करने वाले किसानों का सबसे बुरा हाल है। बढ़या में बड़ा स्थायी पशु आश्रय स्थल का निर्माण होने के बावजूद भी इन पशुओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। किसान सुखई, श्रीराम, रामकृष्ण, छोटे लाल, सहदेव, लालमती, रघु, मनोज, सुखदेव, उदयराज, किशनदेव, चौथी, रामदेव आदि ने कहा कि गेहूं का जमाव शुरू होने के बाद से ही फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

एनएससी लिए बैठा रहा व्यापारी, डाक विभाग बोला–पेमेंट तो हो गया

संवाददाता–गोरखपुर। अभी तक निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर करोड़ों के गोलमाल के आरोपों में घिरे डाक विभाग के जिम्मेदारों का एक और कारनामा सामने आ गया है। गोरखपुर के एक प्रतिष्ठित कारोबारी राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) की मूल कॉपी लेकर डाकघर के चक्कर लगा रहे हैं और कर्मचारी बता रहे हैं कि एनएससी का भुगतान हो गया है। पिछले तीन वर्षों के विभाग का चक्कर लगा रहे व्यापारी ने स्थानीय अधिकारियों के साथ ही केन्द्रीय दूर संचार मंत्री को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की है। पार्क रोड स्थित एक फर्म के मालिक अनिल कुमार मोदी ने वर्ष 2013 में 10–10 हजार रुपये के दो राष्ट्रीय विकास पत्र की खरीद प्रधान डाकघर से की थी। उसकी परिपक्वता वर्ष 2018 में ही हो गई। कोरोना काल में दुश्वारियों के बीच व्यापारी बचत पत्र नहीं भुना सके। व्यापारी का कहना है कि वर्ष 2022 के जनवरी माह में डाकघर में एनएससी भुनाने को गया तो रिकार्ड अपडेट न होने की बात कहते हुए लौटा दिया गया। कर्मचारी ने बचत पत्र की फोटो कॉपी लेकर बाद में आने की बात कही। कुछ महीने बाद व्यापारी जानकारी लेने पहुंचे तो बताया गया कि दोनों बचत पत्र का भुगतान अप्रैल, 2022 में ही हो चुका है। व्यापारी का कहना है कि मूल बचत पत्र उनके पास है। ऐसे में भुगतान कैसे हो सकता है? मामले की शिकायत तत्कालीन पीएमजी से भी की लेकिन सुनवाई नहीं हुई। व्यापारी ने अब केन्द्रीय दूर संचार मंत्री माधव राव सिंधिया समेत सभी प्रमुख जिम्मेदारों को पत्र लिखकर मामले की शिकायत की है। प्रधान डाकघर समेत विश्वविद्यालय और कूड़ाघाट स्थित उप डाकघरों में निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर फर्जी तरीके से करोड़ों के भुगतान की जांच अभी भी चल रही है। पिछले चार वर्षों में कई कर्मचारी निलंबित हो चुके हैं। गबन की रकम करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। जांच में तीनों डाकघरों के 5500 खातों को खंगाला गया। गबन में पांच डाक कर्मियों की मुख्य भूमिका पाई गई है, जबकि 28 डाककर्मी जिम्मेदारी के प्रति लापरवाही बरतने के आरोपी पाए गए हैं।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जगदीश प्रसाद पुत्र श्री राम पियारे मोहल्ला रौतापार थाना– कोतवाली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे छोटा पुत्र विवेक कुमार राव का चाल चलन ठीक नहीं है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करता है। समझाने पर भी नहीं मानता। इसे देखते हुये मैं उसे 10–02–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 486/2017
रामलौटन
बनाम
गया प्रसाद
2/1 जोखू उम्र लगभग 55 वर्ष 2/2 केशव उम्र लगभग 53 वर्ष 2/3 वृजेश उर्फ सियाराम उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्रगण रामउजागिर 2/4 श्रीमती सुमिरता उम्र लगभग 70 वर्ष विधवा रामउजागिर साकिनान मौजा साहदुल्लाहपुर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला बस्ती हाल मुकाम वाहिदचक पोस्ट शंकरपुर तहसील मानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 04–03–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–482/2022
जय प्रकाश सिंह
बनाम
मोहम्मद वकील आदि
1. मोहम्मद वकील पुत्र मुहम्मद अली 2. मोहम्मद सईद 3. रईस अहमद 4. मोहम्मद सहीश पुत्रगण मोहम्मद वकील साकिनान मौजा माड़न तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 10–04–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बवस्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सि0 प्रकीर्ण सं0–142/2024
अदालत– श्रीमान षष्टम् अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विजय कुमार गुप्ता
बनाम
केदारनाथ आदि
1/1. श्रीमती सुमन देवी उम्र 66 साल पत्नी स्व0 केदारनाथ 2/1. श्रीमती खुशबू वर्मा उम्र 34 साल पत्नी स्व0 सोनू 2/3. कु0 शिया वर्मा उम्र 8 साल पुत्री स्व0 सोनू ववलायत माता श्रीमती खुशबू वर्मा निवासीगण मंगल बाजार चिकवा टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 04–03–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

क्षेत्रीय सेवायोजन ने दिलाया 45 अभ्यर्थियों को रोजगार

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक क्षेत्रीय सेवायोजन रास बिहारी चतुर्वेदी ने बताया कि रोजगार मेले में 65 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 45 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन हुआ। सुबह दस बजे से शुरू रोजगार मेले में सिस्का इलेक्ट्रिकल एण्ड मैनेजमेंट, जॉब एण्ड प्लेसमेंट प्रा. लि. एवं इनोवेजन सिक्योरिटी प्रा. लि. ने प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेते हुए चयन किया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में जिले के लिए टेक्नीशियन ऑपरेटर की ढेढ़ सौ, मल्टी टास्किंग स्टाफ की 45 वहीं प्रदेश के लिए सिक्योरिटी गार्ड की साठ रिक्तियों पर साक्षात्कार लिया गया।

पंक्चर की दुकान पर तेज धमाके से मचा हड़कंप, युवक के हाथों के उड़े चीथड़े

संवाददाता–गोरखपुर। सोमवार सुबह गोरखपुर के खजनी थानाक्षेत्र में एक पंक्चर की दुकान में एयर टैंक फट गया जिससे पंचर बनाने वाला एक युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया। गंभीर रूप से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है, अचानक हुए जोरदार विस्फोट की आवाज से काफी दूर तक लोग दहशत में आ गए। जानकारी के मुताबिक खजनी थाना के पास स्थित कटघर तिराहे पर सलीम हुसैन की पंचर बनाने की दुकान है। सोमवार की सुबह वह पंचर बना रहा था। इस दौरान वह पम्प स्टार्ट कर टंकी में हवा भर रहा था कि अचानक टंकी फट गई। विस्फोट इतना तेज था कि सलीम के हाथों के चीथड़े उड़ गए।घटना की सूचना मिलने पर परिजन आनन–फानन में सलीम को जिला चिकित्सालय ले गए। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अर्चना सिंह फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंची।पुलिस ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल–बस्ती
पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025–442 दिनांक 10.02.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचनाः–

कार्यालय पत्रांक 365 दिनाँक 02.01.2025 द्वारा गण्डी समिति खलीलाबाद जनपद संतकबीर नगर क्षेत्रान्तर्गत स0मार्ग न0स0मार्ग चनगहिया चौराहे से सरफरा गाँव होकर छठ घाट तक जिसका टेण्डर आई०डी न० 2024_RKUMP_988384 है के निर्माण कार्य की ई–निविदा WWW.etender.up.nic.in के माध्यम से दिनाँक 25.01.2025 को आमंत्रित की गयी थी जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त करते हुए पुनः उक्त कार्य जिसके निविदा की मूल्य रू0 11600.00 धरोहर धनराशि रू0 5.30 लाख एवं निविदा की श्रेणी ''स'' है की ई–निविदा WWW.etender.up.nic.in के माध्यम से दिनाँक 25.02.2025को आमंत्रित की जाती है. शेष नियम व शर्ते पूर्ववत रहेगी।

उपनिदेशक (निर्माण)
तद्दिनांक।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुमी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com